RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 18 जुलाई 2022 वर्ष 04 अंक 80 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का विस्तार राष्ट्रपति चुनाव के बाद होने की उम्मीद: सूत्र

20 या 21 जुलाई को मंत्रियों को विभाग वितरित किये जाने की उम्मीद

मुंबई : महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार राष्ट्रपति चुनाव के बाद अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती है, जिसके लिए सोमवार को मतदान होना है। यह जानकारी सूत्रों ने दी। शिंदे ने उनके नेतृत्व में शिवसेना विधायकों के विद्रोह के पश्चात महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिरने के बाद 30 जून को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन से मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। हालांकि, कैबिनेट विस्तार को लेकर भाजपा या शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट की ओर से किसी तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

अठारह जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा के मॉनसून सत्र को स्थगित कर दिया गया क्योंकि राज्य सरकार में अभी केवल दो सदस्य- मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को कहा, ''शपथ ग्रहण के बाद 20 या 21 जुलाई को मंत्रियों को विभाग वितरित किये जाने की उम्मीद है और अगले 10 दिनों के भीतर मानसून सत्र आयोजित किये जाने की उम्मीद है। इससे मंत्रियों को अपने नए विभागों के बारे में जानने में मदद मिलेगी, ताकि वे सदन में सवालों के जवाब दे सकें।''

दो सौ अठासी सदस्यीय सदन में भाजपा के 106 विधायक हैं और विस्तार में अधिक कैबिनेट पद मिलने की उम्मीद है, वहीं पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार में आठ मंत्री जो बाद में शिंदे के साथ आ गए, उन्हें भी इसमें शामिल किए जाने की संभावना है। भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी को मंत्री पद के वितरण के मामले में संतुलन बनाने की जरूरत है, क्योंकि 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले केवल 18 महीने बचे हैं। उन्होंने दावा किया, ''एक बार चुनाव आचार संहिता लागू हो जाने के बाद, कोई भी महत्वपूर्ण या नीतिगत निर्णय नहीं ले सकता।

अजीत पवार को झटका!

941 करोड़ के विकास कार्य स्थगित...

मुंबई : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार को करारा झटका देते हुए पुणे शहरी विकास विभाग के 941 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को स्थगित कर दिया है। इसमें बारामती नगर परिषद के कांग्रेस तथा राकांपा नेताओं की ओर से सुझाए गए विकास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने शिवसेना विधायकों के सुझाए गए कार्यों को स्थगित नहीं किया है। इससे भविष्य में विवाद उभरने के आसार जताए जा रहे हैं।

राज्य में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछली सरकार के कई कार्यों को स्थगित किया है। कांजुर मार्ग में बनने वाले मेट्रो कारशेड का काम फिर से गोरेगांव स्थित आरे कालोनी में किए जाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही पिछली सरकार ने बुलेट ट्रेन का काम रोक कर रखा था, जिसे नई सरकार ने मंजूरी दे दी है। इससे पहले मुख्यमंत्री शिंदे ने पूर्व मंत्री छगन भुजबल तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के विकास कार्य रोक दिए थे। आज मुख्यमंत्री ने पुणे शहरी विकास विभाग के 941 करोड़ स्वीकृत कार्यों को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि शिवसेना से नाराज होकर एकनाथ शिंदे के साथ गए कई विधायकों ने शिकायत की थी कि अजीत पवार महाविकास अघाड़ी सरकार के दौरान फंड नहीं दे रहे थे। इसलिए मुख्यमंत्री के निर्णय पर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। अभी तक इस निर्णय पर राकांपा और अजीत पवार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

आतंकवाद और साइबर अपराध मुंबई पुलिस के समक्ष मुख्य चुनौती : पुलिस आयुक्त

मुंबई : मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर ने कहा कि शहर की पुलिस के लिए आतंकवाद और साइबर अपराध से निपटना प्रमुख चुनौतियां हैं लेकिन साथ ही महानगर को सुरक्षित तथा आतंकवाद मुक्त रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल में शहर का शीर्ष पुलिस पद संभालने वाले विवेक ने ह्यकहा कि महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के वंचित वर्गों की सुरक्षा मुंबई पुलिस की प्राथमिकता है। मुंबई में वर्ष 1993 के सिलसिलेवार बम धमाके, वर्ष 2007 के ट्रेन धमाकों और नवंबर 2008 में आतंकवादी हमले समेत कई आतंकी घटनाएं हुईं, जिनमें कई लोगों ने जान गंवाई।

विवेक ने कहा कि मुंबई एक महत्वपूर्ण शहर है और पुलिस सभी एजेंसियों जैसे कि आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस), फोर्स वन (मुंबई पुलिस की विशेष आतंकवाद रोधी इकाई) और राज्य खुफिया विभाग के साथ मिलकर निरंतर काम कर रही है, ताकि इसे सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद से निपटना मुंबई पुलिस के समक्ष एक चुनौती है और शहर को सुरक्षित तथा आतंकवाद मुक्त रखने के लिए हमारे प्रयास चल रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिस कर्मी पर आरोप

जुमार्ने की जगह ली रिश्वत...

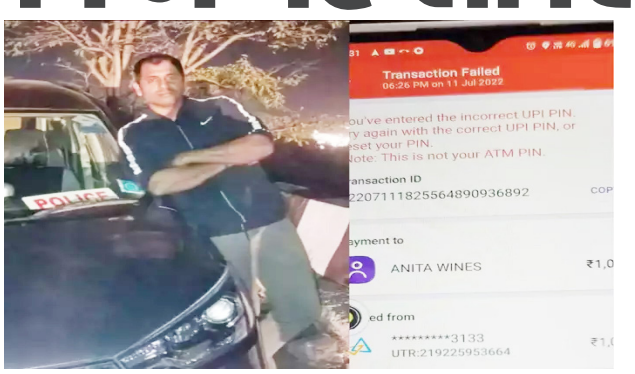

मुंबई: मुंबई पुलिस अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती है। इस बार की वजह बना है एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल, जिसने एक ओला ड्राइवर से जबरन एक वाइन शॉप के एकाउंट में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। फिलहाल इस मामले की जांच के आदेश ट्रैफिक विभाग के जॉइंट सीपी राजवर्धन सिन्हा दे दिए हैं। इस मामले की शिकायत वरिष्ठ पत्रकार शाहिद अंसारी ने की है। दरअसल, जब यह पूरा मामला पेश आया तब वह उस कार में यात्रा कर रहे थे। दरअसल यह मामला 12 जुलाई का है जब अंसारी मुंबई एयरपोर्ट से ओला कैब के जरिए दक्षिण मुंबई स्थित अपने घर जा रहे थे। तभी रास्ते में सायन सिग्नल के पास उनकी कार को वहां मौजूद ट्रैफिक कांस्टेबल ने रोका। अंसारी ने एनबीटी ऑनलाइन को बताया कि ड्राइवर और पुलिस कांस्टेबल के बीच हुई बातचीत से यह समझ में आया कि ड्राइवर ने किसी भी ट्रैफिक नियम का उल्लंघन किया है। जिसपर कांस्टेबल संजय करांडे ने जुमार्ना वसूलने की बजाय ड्राइवर से रिश्वत की मांग की। इसपर ड्राइवर ने कैश न होने की बात कही।

ट्रांसफर फेल होने से नाराज हुए ट्रैफिक कांस्टेबल...

अंसारी ने बताया कि जब वाइन शॉप के नंबर पर बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि आप की रकम ट्रांसफर नहीं हो पाई है और ट्रैफिक कर्मी बहुत नाराज हैं। वाइन शॉप वाले ने कहा कि एक बार आप उनका नंबर लेकर बात कर लीजिए। जब ट्रैफिक कांस्टेबल से बातचीत की गई तो पता चला कि उनका नाम संजय करांडे था।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 18 जुलाई 2022

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

गरिमामय अभिव्यक्ति... !

इसमें दो राय नहीं कि हमारे माननीयों की शब्दावली व बोल-वचन गरिमामय होने चाहिए। देश की नई पीढ़ी उनके व्यवहार से प्रभावित भी होती है क्योंकि वे भारतीय लोकतंत्र के नायक सरीखे होते हैं। अक्सर देखा जाता है कि संसद की कार्यवाही के दौरान होने वाली गरमा-गरम बहसों के दौरान ऐसे शब्दों का प्रयोग हो जाता है जो संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं होते। संसद में सत्तारूढ़ दल अपने एजेंडे के साथ आता है और विपक्ष उसका विरोध करना अपना धर्म मानता है। लेकिन यह महज विरोध के लिये विरोध भी नहीं होना चाहिए। वहीं वे शब्द भी प्रतिबंधित नहीं होने चाहिए जो सही मायनों में लोकतंत्र को अभिव्यक्त करते हैं। लेकिन शब्दों की गरिमा तो हर हाल में बनी ही रहनी चाहिए। वैसे आज सदन में धीर-गंभीर प्रतिनिधि कम नजर आते हैं जो व्यापक ज्ञान व अध्ययन के अधिकारी हों और प्रतिरोध के लिये रचनात्मक भाषा का प्रयोग करते हों। निस्संदेह, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में भाषा भी लोकतंत्र की अर्चना जैसी ही होनी चाहिए। व्यक्तिगत आक्षेप के लिये गढ़ लिये गये तीखे-तल्ख शब्दों के प्रयोग से बचा जाना चाहिए। लेकिन यहां सवाल यह भी उठता है कि लोकसभा सचिवालय ने ह्यअसंसदीय शब्द 2021ह्न शीर्षक के तहत जिन शब्दों व वाक्यों को असंसदीय अभिव्यक्ति के दायरे में रखा है क्या वे वास्तव में असंसदीय हैं। कहा गया है कि सांसद इन शब्दों के प्रयोग से बचें और यदि इन शब्दों का प्रयोग होता है तो उसे सदन की दर्ज कार्यवाही से हटा दिया जायेगा। कहना कठिन है कि इसका व्यवहार में कितना पालन करेंगे। दरअसल, कुछ विपक्षी सांसदों ने खुलेआम कहा है कि वे इन शब्दों का प्रयोग करते रहेंगे। वे इस कदम को लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति पर अंकुश बता रहे हैं। साथ ही कह रहे हैं कि जब भाजपा विपक्ष में बैठती थी तो इन शब्दों का भरपूर उपयोग करती रही है।

बहरहाल, वक्त की दरकार है कि जिन शब्दों को असंसदीय बताकर रोक लगाई गई है, उनकी समीक्षा तो होनी चाहिए। यूं भी देश के राजनेता आम व्यवहार में गिने-चुने शब्दों का ही अपने संबोधन में प्रयोग करते हैं और शब्दों के चयन में रचनात्मकता कम ही नजर आती है। वैसे तो देश की कई विधानसभाओं में पहले से कई शब्द प्रतिबंधित हैं। वैसे इनमें से कई शब्द ऐसे भी हैं जो आम व्यवहार में खूब उपयोग किये जाते हैं। कई बार संसदीय बहस के दौरान आवेश में आकर विपक्षी सांसद लक्ष्मण रेखा लांघते नजर भी आते हैं। निस्संदेह, राजनीतिक विमर्श के मानकों की गरिमा बनाये रखने की जरूरत है। वहीं सरकार को भी अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान करना चाहिए। यदि कोई प्रतिनिधि सटीक स्थिति को दशार्ने वाले शब्दों का प्रयोग करता है तो सत्तापक्ष से सहिष्णुता की उम्मीद की जाती है। दुनियाभर के लोकतंत्रों में सत्ता की निरंकुशता पर नियंत्रण के लिये तीखे तेवर दिखाये जाते रहे हैं। इसे कुछ लोग लोकतंत्र की खूबसूरती बताते हैं। यह भी कि विपक्ष इसके जरिये सत्तापक्ष के मनमाने व्यवहार पर अंकुश लगाता है। वैसे भी सदन में वाद-विवाद संसदीय कार्यवाही की आत्मा कही जाती है। सत्तारूढ़ दल के मंत्री व सांसद सरकारी नीतियों व प्रस्तावित कानूनों को प्रस्तुत करते हैं, यदि विपक्षी सांसद उससे सहमत न हों तो उसके खिलाफ बहस करते हैं। निस्संदेह, ऐसे विमर्श से कई खामियों व विसंगतियों पर चर्चा हो सकती है। सत्ता पक्ष-विपक्ष अपनी बात को ठोस बिंदुओं और तर्कों से प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। संभव है कि इस गर्मागर्मी में बात बढ़ सकती है लेकिन नेताओं को विनम्रता का परिचय देकर सदन में शिष्टाचार का पालन करना चाहिए। वैसे असंसदीय शब्दों को दर्ज कार्यवाही से निकाल दिया जाता है, लेकिन ये शब्द पूरी तरह प्रतिबंधित भी नहीं होते।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

देवेंद्र फडणवीस को फोन किया यह झूठ है, उद्धव ठाकरे ने किया खंडन...

मुंबईः एकनाथ शिंदे के तख्तापलट के कुछ घंटों बाद, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी को बचाने के लिए देवेंद्र फडणवीस को फोन किया, कुछ मीडिया ने बताया। दो हफ्ते पहले भी कई मीडिया ने 'ठाकरन के फडणवीस के इनहावा' की खबर प्रसारित की थी। लेकिन उद्धव ठाकरे ने ऐसा कोई फोन नहीं किया है। शिवसेना की ओर से पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि इस तरह की खबरें महज अफवाह के तौर पर प्रकाशित की जा रही हैं. शिवसेना की ओर से शिवसेना के जनसंपर्क प्रमुख हर्षल प्रधान ने यह खुलासा किया है. एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद और विधायकों को अपने साथ देखकर, उद्धव ठाकरे ने एक ऐसे व्यक्ति के माध्यम से देवेंद्र से संपर्क किया, जिस पर वह भरोसा करता था और फडणवीस से अच्छी तरह से जुड़ा

हुआ था, यह महसूस करने के बाद कि स्थिति उसके हाथ से बाहर थी, कुछ मीडिया ने रिपोर्ट प्रकाशित की। कुछ समाचार मीडिया चल रहे हैं कि ठाकरे ने अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी बुलाया। लेकिन ये सब अफवाहें हैं। शिवसेना ने साफ किया है कि उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस या किसी बीजेपी नेता को नहीं बुलाया है. उद्धव ठाकरे ने सरकार बचाने या शिवसेना को बचाने के लिए देवेंद्र फडणवीस को बुलाया, कुछ मीडिया सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट चला रहा है। ऐसी खबरें प्रकाशित की जा रही हैं, ये कोरी अफवाह हैं। उद्धव ठाकरे जो कहना चाहते हैं वो खुलकर बोलते हैं. उद्धव ठाकरे के मीडिया सलाहकार और शिवसेना के पीआर हेड हर्षल प्रधान ने खुलासा किया कि कृपया किसी को भी गलत न समझें और फैलाएं। महाराष्ट्र की राजनीति में सत्तासी साल हो गए हैं। अब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। 30 जून को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने शिंदे को महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ दिलाई। शिवसेना के 40 और 10 निर्दलीय विधायकों ने शिंदे के नेतृत्व पर भरोसा किया. भाजपा नेतृत्व ने भी देवेंद्र फडणवीस की जगह एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाकर सबको चौंका दिया। शिंदे-फडणवीस सरकार के गठन को दो सप्ताह बीत चुके हैं। आने वाले हफ्तों में शिंदे-फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।

विनोद खन्ना के बेटे ने उतारे सारे कपडे

मुंबई : अंगप्रदर्शन करने के मामलें में अब एक्टर्स पीछे नहीं हट रहे हैं। आमिर खान, मिलिंद सोमन, विजय देवराकोंडा के बाद अब राहुल खन्ना ने न्यूड फोटो शेयर की हैं। राहुल खन्ना बॉलावुड के मशहूर अभिनेता हैं। उन्होंने रकीब , अर्थ, वेकअप सीड और लीला जैसी फिल्मों में काम किया हैं। राहुल खन्ना बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे विनोद खन्ना के बेटे और अक्षय खन्ना के छोटे भाई हैं। वे अपने भाई की तरह एक अच्छे एक्टर तो एक्टर की ये तस्वीर देखकर अरोड़ा खुद को रोक नहीं पाईं और कमेंट कर डाला कि सोफा अच्छा है। वहीं नेहा धूपिया ने कहा कि मोजे अच्छे हैं। लोगों को राहुल खन्ना का ये बोल्ड अंदाज काफी भा रहा है। राहुल खन्ना ने अपने पिता और भाई की तरह फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश की लेकिन जो सफलता उनके भाई और पिता को फिल्म जगत में मिली वो राहुल को हासिल नहीं हुई। इसलिए उन्होंने मॉडलिंग का रुख कर लिया।नहीं बन पाए लेकिन फिल्म इंड्रस्ट्री में एक्टिव जरुर रहते हैं।

बेटे तैमूर संग आइसक्रीम के मजे लेती नजर आईं करीना कपूर

बी-टाउन के कई स्टार्स इन दिनों वेकेशन मूड में हैं। शाहिद कपूर-मीरा राजपूत की यूरोपियन वेकेशन और आयुष्मान-ताहिरा की पेरिस हॉलिडे तक हर स्टार कपल वेकेशन में अपने समय का भरपूर आनंद लिया है। इस लिस्ट में पटौदी फैमिली का नाम भी शामिल है। करीना इन दिनों पति सैफ और दोनों बच्चों तैमूर, जेह के साथ लंदन वेकेशन पर

करीना आए दिन लंदन डायरीज से अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती हैं। हाल ही में करीना ने अपने बड़े बेटे तैमूर अली खान के साथ प्यारी तस्वीरें शेयर की। तस्वीरों में करीना तैमूर संग आईसक्रीम का मजा लेती दिख रही हैं।

तस्वीर में तैमूर बेहद खुश नजर आ रहे हैं, क्योंकि वह अपनी मां के साथ आइसक्रीम का आनंद ले रहे थे। इस दौरान बेबो येलो को-ऑर्ड सेट में कूल दिख रही हैं। वहीं तैमूर ने एक स्माइली प्रिंटेड व्हाइट टी-शर्ट को ग्राफिक प्रिंटेड शॉर्ट्स के साथ कैरी किया था।

एक तस्वीर करीना चम्मच से आइसक्रीम खाती दिख रही हैं जबकि तैमूर अली खान आइसक्रीम गिरने की आशंका से नीचे देख रहे हैं। तैमूर ने अपने पैरों को जांचते दिख रहे हैं, क्योंकि उन्हें फुटपाथ पर आइसक्रीम की बूंदें गिरी हुई दिखाई दे रही थीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए करीना ने लिखा- टिम के साथ गेलैटो सीरीज। मां बेटे की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो करीना ने 16 अक्टूब 2012 में सैफ अली खान संग शादी रचाई थी। 20 दिसंबर 2016 को बेबो और सैफ ने अपने जीवन में तैमूर का स्वागत किया था।

नसबंदी के बाद भी 10 महिलाएं हुई प्रेग्नेंट, RTI में हुआ खुलासा

मुंबई : आमतौर पर प्रेगनेंसी को पूरी तरह से रोकने के लिए महिलाएं नसबंदी कराती हैं. ये एक बेहद आसान और सुरक्षित प्रक्रिया है. इसमें फैलोपियन ट्यूब को ब्लॉक कर दिया जाता है जिससे महिला कंसीव नहीं करती हैं. लेकिन कई बार ये ऑपरेशन फेल भी हो जाते हैं. एक नए डेटा के मुताबिक मुंबई में 2021-22 के बीच 10 ऐसे केस सामने आए जहां महिलाओं की नसबंदी सफल नहीं रही. यानी नसबंदी के बाद भी महिलाएं कंसीव कर गईं. इस जानकारी का खुलासा एक आरटीआई के जरिए हुआ है.

पिछले तीन साल में ये सबसे बड़ा आंकड़ा है. साल 2019-20 में सिर्फ 4 ऐसे केस आए थे. कोरोना के दौरान यानी 2020-21 में ये आंकड़ा सिर्फ 3 पर था. लेकिन अब इस साल इसमें भारी इजाफा हुआ है. और अब इस साल अब तक फेल होने के 10 केस सामने आए हैं. मुंबई के एक डॉक्टर के मुताबिक फेल होने की रेट बेहद कम हैं. आरटीआई के आंकड़ों के मुताबिक साल 2021-22 में 14,598 महिलाओं ने नसबंदी

कराई थी. इसमें से 10 महिलाएं दोबारा कंसीव कर गईं. यानी हिसाब लगाया जाए तो नसबंदी फेल होने की दर महज 0.07 फीसदी है. बता दें कि नसबंदी फेल होने पर मरीजों को स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से 30 हजार रुपये का मुवाजा दिया जाता है.

बीएमसी के डेटा के मुताबिक हाल के दिनों में कोरोना महामारी के चलते नसबंदी करवाने वालों की संख्या में भारी कमी देखी गई है. साल 2020-21 में सिर्फ 11,895 महिलाओं ने नसंबदी करवाई. यानी पहले के साल के मुकाबाले 42 परसेंट की इसमें कमी देखी गई. साल 2017-18 ये संख्या 20,750 थी. और अब साल 2021-22 में ये संख्या घटकर 14, 598 पर पहुंच गई. हाल के दिनों में पुरुष नसबंदी में भी भारी कमी देखी गई है. साल 2017-18 में पुरुष नसबंदी की संख्या 914 थी.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 18 जुलाई 2022

दीपाली सैयद ने संजय राउत को शांतिपूर्ण रुख अपनाकर पहल करने की सलाह दी

मुंबई: आम शिवसैनिकों की स्थिति यह है कि शिवसेना में दोनों गुटों को एक साथ आना चाहिए. शिवसेना की पदाधिकारी दीपाली सैयद ने खुलासा किया है कि सामग्री को ट्वीट किया गया था। लेकिन साथ ही उन्होंने सलाह दी है कि शिवसेना सांसद संजय राउत को शांतिपूर्ण रुख अपनाते हुए इसके लिए पहल करनी चाहिए. वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के 40 विधायकों के एक समूह ने भाजपा की मदद से राज्य में सरकार बनाई है। इस वजह से शिवसेना में बड़ा बंटवारा हो गया है. शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बागी विधायकों से कहा है कि 'मातोश्री' के दरवाजे खुले हैं। वहीं बागी विधायकों का कहना है कि अगर उद्धव ठाकरे हमें बुलाएंगे तो हम जरूर जाएंगे. इसी पृष्ठभूमि में दीपाली सैयद की

मुलाकात एकनाथ शिंदे से हुई। इस मुलाकात के बाद दोनों गुट एकजुट होना चाहते हैं, सभी सम्मान में अटके हुए हैं. मेरे सहित सभी शिवसैनिकों को लगता है कि शिवसेना एक परिवार है और इसे तोड़ा नहीं जाना चाहिए। यह सभी के हित में है, दीपाली सैयद ने आज एक संवाददाता सम्मेलन में कहा। यह शिवसेना सांसद संजय राउत हैं जो बिना किसी समझौते के बोलते हैं। उनकी ऐसी अनूठी शैली है। लेकिन वे जो कहते हैं, वह शिवसेना के लिए कहते हैं; चाहे वह भाजपा के लिए हो या शिंदे समूह के लिए! उन्होंने संजय राउत को सलाह दी कि अब वह शांतिपूर्ण रवैया अपनाएं और दोनों गुटों को एकजुट करने की पहल करें.

दीपाली सैयद ने ट्वीट कर उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के साथ आने की बात कही। सांसद संजय राउत ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्हें यह अधिकार किसने दिया.' तो, दीपाली सैयद ने जवाब दिया कि 'एक शिव सैनिक को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अधिकार है और उसके लिए किसी की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है।

संजय राऊत का ट्विट पर तर्क-वितर्क

दिया तो कब्र पर भी जल रहा है...

मुंबई: एक तरफ शिवसेना के दोनों धड़ों के एक साथ आने की बात हो रही है, वहीं दूसरी तरफ शिवसेना विधायकों की अयोग्यता का मामला अदालत में लंबित है, शिंदे-फडणवीस सरकार का भविष्य है. भी चर्चा की जा रही है। इसी तरह शिवसेना सांसद संजय राउत के एक ट्वीट से भी दलीलें दी जा रही हैं. हिंदुत्व के मुद्दे पर मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 40 विधायकों ने हंगामा किया. इस वजह से शिवसेना में बड़ा बंटवारा हो गया है. हालांकि, शिवसेना की पदाधिकारी दीपाली सैयद ने कहा कि दोनों समूह एक साथ आना चाहते हैं लेकिन सम्मान में अटके हुए हैं। ऐसे में शिवसेना सांसद संजय राउत ने

कहा है कि ये समय तय करेगा कि ये दोनों गुट एकजुट होंगे या नहीं. वे हमारे सहयोगी हैं, हमारे मित्र हैं। हमने इतने सालों तक साथ काम किया है। राउत ने यह भी पूछा है कि वे दोबारा साथ क्यों नहीं आना चाहते। वहीं, विधायकों की अयोग्यता का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि एक स्वतंत्र संविधान पीठ का गठन करना होगा और तब तक विधानसभा अध्यक्ष को इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए।

मुंबई में पानी की नो टेंशन,

तीन झीलें हुई लबालब...!

मुंबई : मुंबई में पानी की टेंशन खत्म हो गई है। जुलाई के आधे महीने में ही महानगर में जलापूर्ति करने वाली तीन झीलें लबालब भर गई हैं। बाकी की चार झीलों में भी बड़ी मात्रा में पानी जमा हुआ है। मानसून इसीतरह बना रहा तो जल्द ये झीलें भी ओवरफ्लो होकर बहने लगेंगी। मुंबई को पीने का पानी सप्लाई करने वाली सातों झीलों में से मोडक सागर, तानसा, और तुलसी लबालब भर गई हैं। बाकी की चार झीलों में लगभग 68 प्रतिशत से ज्यादा पानी जमा हो गया है। अबतक 7 झीलों में कुल क्षमता का 79 प्रतिशत पानी अर्थात 114 लाख एमएलडी पानी जमा हुआ है। जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा मात्र 17 प्रतिशत था। मुंबई मनपा के अनुसार तुलसी झील की 8,046 एमएलडी पानी संचयन की क्षमता है। इस साल 16 जुलाई को यह भरी है। साल 2020 में 27 जुलाई को, साल 2019 में यह 12 जुलाई को भरी थी। साल 2018 में 9 जुलाई को, साल 2017 में 14 अगस्त को और साल 2016 में 19 जुलाई को तुलसी झील भरी थी। अपर वैतरणा झील में 66.81 प्रतिशत, तानसा झील में 100 प्रतिशत, मध्य वैतरणा में 86.6 प्रतिशत, भातसा झील 76.3 प्रतिशत, विहार झील में 68 प्रतिशत, तुलसी झील 99.8 प्रतिशत, मोडक सागर झील में 99.3 प्रतिशत पानी जमा हुआ है। पिछले वर्ष 16 जुलाई तक तूफान भले ही आए थे लेकिन बारिश कम हुई थी। पिछले वर्ष सात झीलों में मात्र 17 प्रतिशक्त पानी बचा था। मनपा तब जल संकट में आ गई थी। लेकिन इस बार अच्छी बारिश ने मुंबईवासियों को बड़ी राहत दी है।

मुंबई ठाणे, पालघर में अगले तीन दिनों तक रहेगा सुहाना मौसम

मुंबई : मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे, पालघर सहित राज्य के कई हिस्सों में बारिश का सुहाना मौसम रहने का अनुमान व्यक्त किया है। हालांकि राज्य के कुछ जिलों के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई प्रादेशिक मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों का पूवार्नुमान लगाया है। कहीं हल्की व मध्यम तो कहीं भारी बारिश का अनुमान है। बुधवार तक मुंबई, ठाणे और पालघर में रिमझिम फुहारों के साथ खुशनुमा मौसम रहेगा। इसी तरह राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की हरियाली रहेगी। कुछ जिलों में बारिश के निचले स्तर का''येलो अलर्ट'' दिया गया है। मुंबई प्रादेशिक मौसम के अनुसार घाट एरिया में बारिश की संभावना अधिक है। इसे छोड़ दे तो पूरे राज्य में रिमझिम फुहारों का दौर चलता रहेगा, धूप-.छांव के बीच बारिश अपना असर दिखाती रहेगी।

शिवसेना में बगावत से परेशान उद्धव ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस से की थी फोन पर बात?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में भले ही नई सरकार बन गई है। लेकिन सियासी संग्राम अभी खत्म नहीं हुआ है। उद्धव ठाकरे की कुर्सी जाने के बाद एकनाथ शिंदे बीजेपी के सहयोग से सीएम बने हैं। हालांकि जब राज्य में सियासी संकट खड़ा हुआ तो उससे जुड़ी बातें लगातार सामने आ रही है। इसी कड़ी में अब खबर सामने आ रही है कि शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सियासी संकट के दौरान देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बात की थी। इसे लेकर कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र के सियासी संकट के दौरान जब उद्धव ठाकरे को इस बात का एहसास हो गया था कि उनकी कुर्सी अब बचना मुश्किल है तो उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से बात करने की कोशिश की थी। लेकिन दोनों की तरफ से कोई रिस्पांस नहीं किया गया। कहा यह भी जा रहा है कि उद्धव ने देवेंद्र फडणवीस से भी फोन पर बात की थी। हालांकि बात

नहीं बनी थी और फडणवीस ने कहा था कि अब चीजे आगे निकल चुकी हैं। वैसे इन बातों में कितनी सच्चाई है या समय के साथ सामने जरूर आएगा। वहीं खबरें यह भी हैं कि बीजेपी आलाकमान ने अमित शाह या फिर पीएम मोदी से बातचीत की सलाह उद्धव ठाकरे को सियासी घटनाक्रम के दौरान दी थी। जिसके बाद उन्होंने शाह और मोदी को फोन भी किया लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया। दरअसल इसी तरह साल 2019 में बीजेपी आलाकमान ने उद्धव ठाकरे से बातचीत की कोशिश की थी लेकिन तब उद्धव ने कोई जवाब नहीं दिया था।

राष्ट्रपति चुनाव में शिवसेना के सांसदों ने उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने की अपील की थी। जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी एनडीए उम्मीदवार का समर्थन करेगी। बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे ने भी एनडीए का समर्थन किया हुआ है। दूसरी तरफ महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार की अटकलें तेज हैं। खबरें हैं कि मंत्रिमंडल का विस्तार 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के बाद किया जा सकता है। मंत्रिमंडल का विस्तार दो चरणों में हो सकता है। पहले चरण में बीजेपी और शिंदे गुट के 10 से 12 मंत्री शपथ ले सकते हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 18 जुलाई 2022

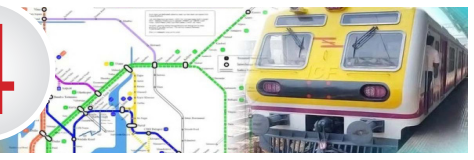

चोरी के स्मार्टफोन का धंधा करने वाले गिरोह के 2 सदस्य गिरफ्तार

480 फोन बरामद!

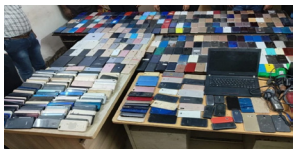

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच यूनिट श्कने शनिवार को शहर में स्नैचरों और चोरों से चोरी के स्मार्टफोन खरीदने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया. अपराधियों के पास से 9.5 किलो गांजा, 174 शराब की बोतलें और दो तलवार के अलावा फोन की मरम्मत में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और कुल 480 स्मार्टफोन जब्त किए गए हैं. सूत्रों ने बताया कि जब्ती की कुल कीमत 74.78 लाख रुपये है. अपराध शाखा के एक पुलिस कांस्टेबल 34 वर्षीय संभाजी कोलेकर को गुप्त सूचना मिली कि 37 वर्षीय महबूब खान चोरी के फोन का कारोबार कर रहा है. कोलेकर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई और शुक्रवार को मानखुर्द में महाराष्ट्र नगर स्थित खान के घर पर छापा मारा गया. खान के सहयोगी 31 वर्षीय फैयाज शेख को भी गिरफ्तार किया गया है, जो उसी इलाके का मोबाइल रिपेयर करता है, जिसने आईएमईआई नंबर बदलने और चोरी हुए फोन को रीफर्बिश्ड करने में मदद की थी. अपराध शाखा इकाई के कार्यवाहक वरिष्ठ निरीक्षक रवींद्र सालुखे ने कहा कि ''आरोपी ने चोरी का कीमती सामान रखने के लिए अपने आवास के बगल में एक और कमरा किराए पर लिया था. हम यह पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रहे हैं कि अपराध में और कौन शामिल है.

एसटी कर्मचारियों के वकील गुणरत्न सदावर्ते ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की,

कांग्रेस नेताओं ने द्रौपदी मुर्मू को जाति की दृष्टि से बदनाम किया

औरंगाबाद : एसटी कर्मचारियों के वकील गुणरत्न सदावर्ते ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पार्टी की आलोचना की. इस मौके पर सदावर्ते ने कहा कि, ''कांग्रेस पार्टी की मानसिकता टारगेट मेथड है. महिलाओं के खिलाफ नस्लीय नफरत पैदा की जा रही है। नुपुर शर्मा हों या भारत की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू।

कांग्रेस नेताओं ने मुर्मू को जाति की दृष्टि से बदनाम किया है। जिससे दोनों समुदायों के बीच दरार पड़ने की संभावना है। आज मेरे पास गांधीजी और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के पुणे समझौते को याद करते हुए डॉ

ay Store से Rokthok Lekhani Mobile App |

बाबासाहेब अंबेडकर को कांग्रेस की जातिगत मानसिकता का पता था इसलिए उन्होंने पुणे समझौते के खिलाफ बोला.'' इन शब्दों के साथ उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा.

आगे सदावर्ते ने यह भी कहा कि, ''राष्ट्रपतित्व को समाज के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, मैं इसे ऐसे ही स्वीकार करने जा रहा हूं। यह बहुत दुख की बात है कि कांग्रेस द्रौपदी मुर्मू के मामले में ऐसी बकवास कर रही है जो एक सक्षम महिला उम्मीदवार हैं और इसलिए मैं कांग्रेस और उसकी जाति की सोच की निंदा करता हूं। साथ ही मुर्मू पर टिप्पणी करने वाले संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज करना आवश्यक है और वह मामला दर्ज किया जाना चाहिए'', उन्होंने औरंगाबाद के पुलिस आयुक्त से मांग की। साथ ही मैं इस बात का इंतजार कर रहा हूं कि इस मुद्दे पर असदुद्दीन ओवैसी कब बोलने वाले हैं, सदवारते ने कहा ।

बढ़ी श्रीकांत देशमुख की मुश्किलें...!

राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज...

मुंबई: चार दिन पहले बीजेपी के श्रीकांत देशमुख का बेडरूम में एक महिला के साथ एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. इसके बाद देशमुख की मुश्किलें और बढ़ने की संभावना है। क्योंकि ठगी गई महिला ने श्रीकांत देशमुख के खिलाफ राज्य महिला आयोग में ईमेल के जरिए शिकायत दर्ज कराई है. इस शिकायत के बाद श्रीकांत देशमुख की मुश्किलें बढ़ने की संभावना है। पीड़िता ने राज्य महिला आयोग में दर्ज शिकायत में उल्लेख किया है कि वह घर से बाहर निकलने से डरती है। डाक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में पीड़िता ने मेरे खिलाफ संज्ञेय अपराध (अपराध) के रूप में शिकायत दर्ज करने या मेरी शिकायत दर्ज कराने में मदद करने के लिए संबंधित पुलिस को उचित निर्देश देने का अनुरोध किया है। मुझे धोखा देने वाला संदिग्ध आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत शक्तिशाली है।

भारी बारिश और तेज हवा ने जुलाई में अब तक उखाड़े 250 पेड़

बीएमसी ने जगह-जगह लगाए सावधानी वाले पोस्टर

मुंबई : मुंबई में पिछले दो सप्ताह में तेज हवाओं और भारी बारिश ने 250 पेड़ उखाड़ दिए. इसके साथ ही करीब 300 बड़ी शाखाओं के भी टूटने की खबर है. अधिकारियों ने बताया कि जून के बाद से पेड़ गिरने के मामलों में चार गुना वृद्धि हुई है. निजी परिसरों में दो-तिहाई से अधिक घटनाएं हुईं. बीएमसी नागरिकों से पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की अपील कर रही है. जून में, शहर भर में 113 पेड़ गिर गए थे और 205 पेड़ों की शाखाएं गिर गई थीं. जुलाई में हुई भारी बारिश के कारण पिछले दो सप्ताह में मामले बढ़े हैं. बीएमसी के उद्यान विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पेड़ गिरने के ज्यादातर मामले निजी परिसरों से हैं.

अधिकारियों ने दी ये जानकारी

बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि लगभग दो-तिहाई गिरे हुए पेड़ निजी भूमि पर थे. इस सीजन में जो 356 पेड़ उखड़ गए थे, उनमें से केवल 113 बीएमसी की जमीन पर, यानी सड़कों और बगीचों आदि पर थे. बाकी 243 पेड़ निजी परिसरों में थे. अधिकारी ने कहा कि बड़ी शाखाओं के गिरने की 514 घटनाओं में से 286 निजी जमीन पर थीं. उद्यान विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हर साल, अधिकांश गिरे हुए पेड़ निजी परिसरों से होते हैं. हमने 9,000 से अधिक हाउसिंग सोसायटियों को उनके परिसरों में पेड़ों को काटने के लिए नोटिस जारी किया है. उसमें से 8,300 ने प्रतिक्रिया दी और मानसून की शुरूआत से पहले पेड़ों को काट दिया.

अब मुंबई में नहीं भरेगा पानी!

नगर पालिका द्वारा किए गए 306 सफल उपाय

मुंबई : मुंबई में हर साल मानसून के दौरान 386 निचले इलाकों जैसे हिंदमाता, किंग्स सर्कल, सायन, कुर्ला, अंधेरी सबवे, मिलन सबवे आदि में भारी बारिश के कारण जलभराव हो जाता है। हालांकि, मानसून के मौसम में जमा हुए पानी की निकासी में तेजी लाने के लिए नगर पालिका द्वारा किए गए विभिन्न उपायों से मुंबईवासियों को 306 स्थानों पर बारिश के पानी के जमा होने से बड़ी राहत मिली है. लेकिन अब अगले मानसून से पहले नगर पालिका ने आश्वासन दिया है कि शेष 80 स्थानों पर बारिश का पानी जमा होने से नागरिकों को राहत देने के लिए विभिन्न उपाय किए जाएंगे. मुंबई में हर साल एक ही समय में भारी बारिश और समुद्र में उच्च ज्वार के कारण, शहर और उपनगरों के निचले इलाकों में भारी मात्रा में बारिश का पानी जमा हो जाता है। हालाँकि, 26 जुलाई, 2005 को मुंबई में बाढ़ की स्थिति से नगर पालिका बुरी तरह प्रभावित हुई और इससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ, नगरपालिका की हर तरफ

से आलोचना हुई। लेकिन उसके बाद नगर पालिका और सरकार ने 26 जुलाई की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए विभिन्न स्थानों पर उपाय किए। इसमें हाजियाली क्षेत्र के छह स्थानों क्लीवलैंड, लव ग्रोव, इरला, ब्रिटानिया और गजधरबंध में बड़ी क्षमता वाले पंपिंग स्टेशन स्थापित किए गए थे। अब मोगरा और माहुल दो जगहों पर बड़े पंपिंग स्टेशन लगाने का काम भी लंबित है. मीठी और अन्य नदियों और प्रमुख नहरों आदि को गहरा और चौड़ा किया गया। अब किंग्स सर्कल में मिनी पंपिंग स्टेशन की स्थापना से दुकानदारों, निवासियों आदि को मानसून की समस्या से बड़ी राहत मिली है. इसी प्रकार हिंदमाता में प्रतिवर्ष होने वाली वर्षा जल की समस्या को स्थायी रूप से दूर करने के लिए चार स्थानों पर बड़े पैमाने पर भूमिगत जल टैंकों की स्थापना से हिंदमाता क्षेत्र के दुकानदारों को इस वर्ष जलभराव से बड़ी राहत मिली है. अब मुंबई में, नगर पालिका एक पंपिंग सिस्टम स्थापित करने की योजना बना रही है जहां बारिश का पानी जमा होने वाली जगहों से राहत मिल सके। मुंबई में करीब 386 ऐसे स्थान हैं जहां भारी बारिश के दौरान जलभराव की संभावना रहती है। प्रशासन ने पहले ही 282 स्थानों पर जल निकासी के उपाय पूरे कर लिए हैं। बाकी 104 में से 24 और जगहों का काम 31 मई 2022 से पहले पूरा कर लिया गया था. यानी अब तक 306 जगह बारिश के पानी की समस्या से मुक्त हो चुके हैं. नगर निगम प्रशासन के अनुसार शेष 80 स्थानों पर काम भी तेजी से 2023 के मानसून से पहले पूरा करने की दिशा में तेजी से चल रहा है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!
www.rokthoklekaninews.com facebook@rokthoklekhani youtube@rokthoklekhani twitter@rokthoklekhani